VIRAT VAIBHAV, Delhi, 6.8.2017
Page No. 15, Size:(4.34)cms X (10.01)cms.

योजना : इंडियन ऑयल की गुजरात रिफाइनरी की 15,034 करोड़ रुपए की विस्तार योजना को मंजूरी

गुजरात रिफाइनरी का होगा विस्तार

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की गुजरात रिफाइनरी के विस्तार को उसके निदेशक मंडल की मंजूरी मिल गई है। निदेशक मंडल ने कंपनी की गुजरात रिफाइनरी की क्षमता को मौजूदा 1.37 करोड़ टन से बढ़ाकर 1.80 करोड़ टन करने के लिए 15,034 करोड़ रुपए की विस्तार योजना के पहले चरण को मंजूरी दे दी है। कंपनी का कहना है कि गुजरात रिफाइनरी की शोधन क्षमता में 43 लाख टन सालाना का विस्तार होने से क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। आईओसीएल की विज्ञप्ति के अनुसार गुजरात रिफाइनरी उसकी काफी पुरानी रिफाइनरी है जिसे 1965 में स्थापित किया गया था।

यह कंपनी गुजरात में मुंद्रा बंदरगाह में 50 लाख टन सालाना क्षमता का एलएनजी टर्मिनल लगा रही है। जीएसपीएल एलएनजी लिमिटेड गुजरात सरकार के उपक्रम जीएसपीसी और अदाणी एंटरप्राइजिज लिमिटेड की संयुक्त उद्यम कंपनी है।

तब से उसमें कई चरणों में बदलाव हुए हैं। बहरहाल कई साल तक सेवा में रहने के बाद उसका डिजाइन भी पुराना पड़ गया है और क्षमता भी कम है। उसकी विभिन्न इकाइयां ऊर्जा के लिहाज से सक्षम नहीं रह गई हैं इसलिए उसमें 'एटमोफेरिक वेक्यूम यूनिट (एवीयू) के नए प्रस्तावित डेढ करोड़ टन सालाना क्षमता को स्थापित करने के काम की शुरुआत की जाएगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में जीएसपीएल एलएनजी लिमिटेड में भी 50 प्रतिशत तक इक्विटी खरीदने को मंजूरी दे दी। यह कंपनी गुजरात में मुंद्रा बंदरगाह में 50 लाख टन सालाना क्षमता का एलएनजी टर्मिनल लगा रही है। जीएसपीएल एलएनजी लिमिटेड गुजरात सरकार के उपक्रम जीएसपीसी और अदाणी एंटरप्राइजिज लिमिटेड की संयुक्त उद्यम कंपनी है।

एलएनजी टर्मिनल चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में तैयार हो जाने का अनुमान है। विज्ञप्ति के अनुसार इंडियन आयल की योजना अगले पांच साल के दौरान अपनी 11 रिफाइनरियों की कुल क्षमता को मौजूदा 8.07 करोड़ टन से बढ़ाकर 10 करोड़ टन सालाना तक पहुंचाने की है। कंपनी अन्य पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के साथ मिलकर देश के पश्चिमी तट पर छह करोड़ टन सालाना उत्पादन क्षमता की एक नई एकीकृत रिफाइनरी एवं पेट्रोरसायन परियोजना को लगाने पर भी काम कर रही है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंडियन आयल वर्ष 2020 तक अपनी रिफाइनरियों से भारत मानक-छह गुणवत्ता का ईंधन उत्पादन शुरू करने पर भी काम कर रही है। आईओसी के चेयरमैन संजीव सिंह ने कहा कि कंपनी की रिफाइनरी में होने वाली विस्तार योजनाओं में भविष्य में ईंधन की आपूर्ति एवं मांग परिदृश्य में आने वाली अड़चनों को भी ध्यान में रखा जाएगा। इसके साथ डाउनस्ट्रीम पेट्रोरसायन इकाइयों के साथ एकीकरण के लिए इसमें परिचालन को लेकर लचीलापन भी अपनाया जाएगा। गुजरात रिफानइरी को 10 लाख टन वार्षिक क्षमता के साथ अक्तूबर 1965 में शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत के साथ ही भारत खुद रिफाइनरी निर्माण की क्षमता हासिल कर चुका था।

PUNJAB KESARI, Delhi, 6.8.2017
Page No. 17, Size:(4.14)cms X (20.50)cms.

जीएसटी से श्रमिकों पर बुरा असर नहीं : जेटली

नई दिल्ली, (वार्ता): सरकार ने कहा है कि कारोबार का माहौल सरल बनाने और देश में एकीकृत कर ढांचा लागू करने के लिए लागू किए गए वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) प्रणाली का श्रमिकों पर कोई बुरा असर नहीं होगा। भारतीय मजूदर संघ ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने श्रमिकों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अंतर मंत्रालय समूह की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों की हालत सुधारने और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके सरोकारों को प्राथमिकता देती है। इस बैठक में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री बंडारु दत्तात्रेय, ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल और तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धमेंद्र प्रधान तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

श्री जेटली ने कहा कि श्रमिकों पर जीएसटी के असर को देखा जाएगा और उन पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जीवन बीमा निगम और सामान्य बीमा निगम के कर्मचारियों को पेंशन का एक और विकल्प दिया जाएगा और इस संबंध में सरकार जल्दी फैसला करेगा। श्रमिक नेताओं ने बैठक के दौरान श्रम आधारित उद्योगों बीड़ी, मछलीपालन, कालीन और अन्य छोटे उद्योगों पर जीएसटी के असर का मुद्दा उठाया।

HINDUSTAN, Delhi, 6.8.2017
Page No. 13, Size:(19.95)cms X (22.52)cms.

भारत-22 ईटीएफ : छोटे निवेशकों के लिए मोटी कमाई का मौका

वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पिछले दिनों निवेश का एक नया विकल्प भारत-22 एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पेश करने की घोषणा की। सावधि जमा (एफडी) और अन्य छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें बेहद कम हो गई हैं। जबकि रिजर्व बैंक की ओर से पिछले दिनों नीतिगत दर में 0.25 फीसदी कटौती के बाद आने वाले दिनों में छोटी जमाओं पर ब्याज दरें और घट सकती हैं। ऐसे में भारत-22 ईटीएफ निवेश के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इस तरह के सीपीएसई ईटीएफ ने सालाना 20 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। पेश है बिजनेस डेस्क की एक रिपोर्ट

पैसा बोलता है

क्या है ईटीएफ

यह म्यूचुअल फंड की स्कीम है। इसे शेयर बाजार में खरीदा-बेचा जा सकता है। इसके लिए डीमैट खाता जरूरी होता है। इसकी पूंजी का अधिकांश हिस्सा अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसकी वजह से आम निवेशकों के लिए शेयरों में सीधे निवेश की तुलना में इसमें निवेश पर जोखिम कम होता है। जबकि बाजार में तेजी आने पर शेयरों की तरह आकर्षक रिटर्न मिलता है।

भारत-22 ईटीएफ में क्या है खास

इसमें 22 केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों और स्पेसीफाइड अंडरटेकिंग ऑफ यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसयूयूटीआई) की हिस्सेदारी वाली निजी कंपनियों के शेयर शामिल होंगे। यह पहली ऐसी सरकारी निवेश योजना है जिसमें सरकारी कंपनियों के साथ निजी कंपनियों के शेयर भी शामिल होंगे। वित्त मंत्री जेटली ने कहा है कि निवेशकों के लिए इसमें जोखिम भी तुलनात्मक रूप से कम होगा। इसकी वजह यह है कि सरकारी कंपनियां इसमें होंगी। सरकार 10 रुपये की अंकित (फेस) वैल्यू के साथ इसे जल्द शुरू करेगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इस कोष का प्रबंधन करेगी।

विविधता का फायदा मिलेगा

भारत-22 का निवेश कारोबार के छह क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। साथ ही इसमें निजी और सरकारी कंपनियों के शेयर भी शामिल हैं। बैंक, पेट्रोलियम, धातु, कोयला एवं बिजली क्षेत्र आदि की कंपनियां इसमें शामिल होंगी। वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि सरकारी और निजी कंपनियों के शेयरों के संतुलन एवं छह अलग-अलग क्षेत्रो से इस ईटीएफ की विविधता बढ़ जाएगी जो निवेशकों के लिए फायदेमंद होता है। उनका कहना है कि निवेशक किसी एक क्षेत्र जैसे बैंकिंग या पेट्रोलियम में 100 रुपये निवेश करता है और उस क्षेत्र के कारोबार में गिरावट आती है तो उसे ज्यादा नुकसान होता है। जबकि 16.66 रुपये के हिसाब से छह क्षत्रों की कंपनियों में पैसा लगा हो और चार क्षेत्रों में तेजी एवं दो क्षेत्रों में गिरावट आए तब भी निवेशक को फायदा होगा। इसी तरह तीन क्षेत्रों में गिरावट और तीन में तेजी आए तो उसका नुकसान न के बराबर होगा।

इन कंपनियों के शेयर शामिल होंगे

बैंकिंग क्षेत्र में इसका निवेश भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के शेयर में किया जाएगा। इसी तरह इसके लिए सार्वजनिक उपक्रमों में नाल्को, ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और कोल इंडिया जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के शेयर चुने जाएंगे। ग्रामीण विद्युतीकरण निगम और पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन जैसे बिजली क्षेत्र के उपक्रमों के साथ इसमें नौ अन्य सार्वजनिक उपक्रम के शेयर शामिल होंगे। इस कोष का पैसा निजी क्षेत्र की कंपनी आईटीसी में एसयूयूटीआई के शेयरों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

सीपीएसई ईटीएफ में मोटा रिटर्न मिला

सरकार ने वर्ष 2014 में सार्वजनिक क्षेत्र की 10 कंपनियों (सीपीएसई) को मिलाकर एक ईटीएफ बनाया था। इसमें पिछले पहले साल 22.57 फीसदी से भी अधिक का रिटर्न मिला। जबकि शुरुआत से अब तक इसमें करीब 20 फीसदी का औसत रिटर्न मिला है। इस साल जनवरी से अब तक सीपीएसई ईटीएफ आठ फीसदी के करीब रिटर्न दे चुका है।

HINDUSTAN, Delhi, 6.8.2017
Page No. 13, Size:(19.95)cms X (22.52)cms.

इलस्ट्रेशन : भूपेन मंडल

22 कंपनियों के शेयर शामिल होंगे भारत-22 ईटीएफ में

20 फीसदी के करीब रिटर्न मिला सूपीएसई ईटीएफ में शुरुआत से अब तक

10 रुपये अंकित मूल्य के साथ जारी होगा भारत-22 ईटीएफ

5 फीसदी कम पर मिली थी सीपीएसई ईटीएफ की यूनिट

आकर्षक छूट की उम्मीद

सरकार ने इस साल जब सीपीएसई ईटीएफ की दूसरी और तीसरी किस्त जारी की तब सभी निवेशकों को पांच फीसदी छूट (डिस्काउंट रेट) देने की पेशकश की थी। इसके तहत अंकित मूल्य के मुकाबले पांच फीसदी कम दाम पर यूनिट दी गई। इस वजह से इसे खरीदते ही निवेशकों को पांच फीसदी का फायदा हो गया। इसे कुछ ऐसे समझ सकते हैं कि ईटीएफ के एक यूनिट का अंकित मूल्य यदि 10 रुपये है और वह आपको 9.95 रुपये में मिल रहा है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

एसबीआई म्यूचुअल फंड के कार्यकारी निदेशक एवं विपणन प्रमुख डी.पी.सिंह का कहना है कि सरकार की ओर से विनिवेश के लिए भारत-22 ईटीएफ की पेशकश करना एक बेहतरीन फैसला है। हालांकि, उनका कहना है कि एक आम निवेशक हमेशा कुछ छूट की उम्मीद रखता है और भारत-22 ईटीएफ में भी सरकार सीपीएसई ईटीएफ की तरह छूट की पेशकश करती है तो यह निवेशकों को खूब आकर्षित कर सकता है।

VIRAT VAIBHAV, Delhi, 6.8.2017
Page No. 13, Size:(8.64)cms X (18.40)cms.

सत्प्रेरणा द्वारा मनाया गया सामूहिक वैदिक रक्षाबंधन

वैभव न्यूज ■ अहमदाबाद

सत्प्रेरणा ट्रस्ट जो भारतीय उत्सवों को कल्पनातीत रीति से मनाने के लिए प्रसिद्ध है। इस वर्ष 2017 में भी इतिहास में पहली बार 'वैदिक रक्षाबंधन' मनाया गया। भाई-बहन का संबंध किसी रेशमी धागे से बंधा हुआ हो या न हो, यह अनमोल संबंध दिल से बंधा हुआ होता है। मिश्री जैसा मीठा व मखमल जैसा मुलायम है भाई-बहन का रिश्ता। जहां आज समाज में कहीं भी सामूहिक रक्षाबंधन का आयोजन देखने को मिलता, वहां सत्प्रेरणा द्वारा दून ब्लोसम एकेडमी में शनिवार को सामूहिक वैदिक रक्षाबंधन महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से स पन्न हुआ। जिसमें आसपास के स्कूलों को भी आमंत्रित किया गया। इस उत्सव में 700 विद्यार्थियों ने वैदिक विधि से मंत्रोचारण के साथ वैदिक रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। वैदिक राखी विशेष विधि से शुभ वस्तुएं (अक्षत, केसर, सुखा गोमय, सरसों, दुर्वा, चंदन) डालकर तैयार की जाती हैं। मंत्रों से सजी इस राखी का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

वैदिक राखी अपने आपमें एक शस्त्र है जो भाई का कवच बनकर हर संकट व रोगों से वर्षभर उसकी रक्षा करती है। सत्प्रेरणा के संस्थापक प्रेरणामूर्ति भारती श्रीजी के मार्गदर्शन से संस्था के सदस्यों द्वारा हर साल सामूहिक वैदिक रक्षाबंधन मनाया जाता है परंतु इस वर्ष पहली बार बड़े पैमाने पर स्कूलों में मनाया गया। देश के 125 से भी अधिक स्कूलों में 45,000 से अधिक विद्यार्थियों ने इस महोत्सव का बड़े ही उत्साह से आनंद उठाया व रक्षाबंधन के वास्तविक महत्व को समझा। जिसमें से केवल अहमदाबाद के 25 से अधिक स्कूल व 11000 से अधिक छात्र थे। इस वैदिक रक्षाबंधन कार्यक्रम ने आधुनिकता को एक दिव्य वातावरण में बदल दिया। सभी बचों की आंखों में एक-दूसरे के प्रति निर्दोष प्रेम और रक्षा के भाव उमड़ आए। इसके अलावा कॉलेजों, जेलों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों, बैंकों, मुख्य मंदिरों, होटेलों, मॉलों तथा गांधीनगर व अहमदाबाद के समस्त मंत्रिमंडलों एवं उनके विभागों, केन्द्रीय एवं राजकीय कार्यालयों सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईएएफ, सीआईएसएफ, आर्मी, ओएनजीसी मु यालय, गुजरात पुलिस एकेडमी व अहमदाबाद के मुख्य पुलिस थानों में जाकर वैदिक रक्षासूत्र की महिमा बताकर उन्हें वैदिक राखी भेंट स्वरूप में दी गई। हमारे जवान, पुलिस और राजनेता देश की सुरक्षा करते हैं, देश के सेवकों की सुरक्षा ही प्रजा एवं देश की रक्षा है। 7 अगस्त को होने वाले विशाल सामूहिक वैदिक रक्षाबंधन समारोह के लिए आमंत्रित किया गया। प्रेरणामूर्ति भारती श्रीजी कहते हैं: 'गौरवशाली वैदिक परंपरा की प्लवित धारा से सभी का कल्याण हो, जो जहां भी जिस क्षेत्र में हैं, वहां वो यशस्वी, ओजस्वी, मेधावी, ऊर्जावान और दीर्घायु हों तथा समाज और देश की उन्नति में उद्योगी व सहयोगी रहें।

HINDUSTAN, Kanpur, 6.8.2017
Page No. 16, Size:(4.25)cms X (6.95)cms.

बेंगलुरु-ओएनजीसी के बीच खिताबी भिड़ंत होगी

चेन्नई। मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी का फाइनल बेंगलुरु और ओएनजीसी के बीच रविवार को होगा। ओएनजीसी ने गत चैंपियन रेलवे को शनिवार को 5-3 से हराया जबकि हॉकी बेंगलुरु ने पंजाब नेशनल बैंक को 3-1 से शिकस्त दी। पहले सेमीफाइनल में ओएनजीसी ने 2-3 से पिछड़ने के बाद वापसी की। ओनएजीसी के लिए मनदीप अंतिल ने सातवें मिनट में गोल किया, अगले मिनट रेलवे ने बराबरी का गोल दागा। रेलवे के लिए राजू और शेशे दो और गोल किए।

HINDUSTAN, Dehradun, 6.8.2017
Page No. 16, Size:(4.05)cms X (6.87)cms.

बेंगलुरु-ओएनजीसी के बीच खिताबी भिड़ंत होगी

चेन्नई। मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी का फाइनल बेंगलुरु और ओएनजीसी के बीच रविवार को होगा। ओएनजीसी ने गत चैंपियन रेलवे को शनिवार को 5-3 से हराया जबकि हॉकी बेंगलुरु ने पंजाब नेशनल बैंक को 3-1 से शिकस्त दी। पहले सेमीफाइनल में ओएनजीसी ने 2-3 से पिछड़ने के बाद वापसी की। ओनएजीसी के लिए मनदीप अंतिल ने सातवें मिनट में गोल किया, अगले मिनट रेलवे ने बराबरी का गोल दागा। रेलवे के लिए राजू और शेशे दो और गोल किए।

HINDUSTAN, Patna, 6.8.2017
Page No. 24, Size:(4.09)cms X (6.83)cms.

बेंगलुरु-ओएनजीसी के बीच खिताबी भिड़ंत होगी

चेन्नई। मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी का फाइनल बेंगलुरु और ओएनजीसी के बीच रविवार को होगा। ओएनजीसी ने गत चैंपियन रेलवे को शनिवार को 5-3 से हराया जबकि हॉकी बेंगलुरु ने पंजाब नेशनल बैंक को 3-1 से शिकस्त दी। पहले सेमीफाइनल में ओएनजीसी ने 2-3 से पिछड़ने के बाद वापसी की। ओनएजीसी के लिए मनदीप अंतिल ने सातवें मिनट में गोल किया, अगले मिनट रेलवे ने बराबरी का गोल दागा। रेलवे के लिए राजू और शेशे दो और गोल किए।

HINDUSTAN, Lucknow, 6.8.2017
Page No. 18, Size:(4.15)cms X (6.91)cms.

बेंगलुरु-ओएनजीसी के बीच खिताबी भिड़ंत होगी

चेन्नई। मुरुगप्पा गोल्ड कप हॉकी का फाइनल बेंगलुरु और ओएनजीसी के बीच रविवार को होगा। ओएनजीसी ने गत चैंपियन रेलवे को शनिवार को 5-3 से हराया जबकि हॉकी बेंगलुरु ने पंजाब नेशनल बैंक को 3-1 से शिकस्त दी। पहले सेमीफाइनल में ओएनजीसी ने 2-3 से पिछड़ने के बाद वापसी की। ओनएजीसी के लिए मनदीप अंतिल ने सातवें मिनट में गोल किया, अगले मिनट रेलवे ने बराबरी का गोल दागा। रेलवे के लिए राजू और शेशे दो और गोल किए।

HINDU, Delhi, 6.8.2017
Page No. 20, Size:(17.69)cms X (15.81)cms.

ONGC, Bengaluru stun fancied opponents

The former dethrones Railways while the latter ousts PNB

K. KEERTHIVASAN
CHENNAI

ONGC and Bengaluru HA provided a twist to the tale, reaching the final of the 91st MCC-Murugappa Gold Cup all-India hockey tournament with stunning wins.

While the former dethroned Indian Railways 5-3, thanks to a change in strategy in the second session, Bengaluru overcame a late surge from favourite Punjab National Bank (PNB) to prevail 3-1 in the semi-finals on Saturday.

Railways set the tempo in the first session. Even though ONGC matched the pace of the defending champion, it couldn't maintain the momentum. As a result, it left a gaping hole in the defence on counter-attacks.

Leading 3-2 at half-time, Railways was expected to pull away, but ONGC had other ideas. Getting its defencive structure right, the team put up a strong performance in the second session. Diwakar Ram, as he has been doing throughout the tournament, sounded the boards off a penalty corner to equalise for ONGC.

In the thick of things ONGC's Mandeep Antil, right, is ecstatic after scoring against Railways. ▪ M. VEDHAN

Railways, for some reason, was unable to sustain the pace; to make matters worse, it failed to utilise the crosses that came its way. The side couldn't also take advantage of the five penalty corners during this phase.

ONGC, on the other hand, utilised its opportunities. Bikas Toppo deflected home off a penalty corner before Diwakar completed a brace through a penalty stroke.

Comprising mostly youngsters in the forwardline, with seniors Vikram Kanth, Vinaya and Raghunath to guide them, Bengaluru pulled off a coup.

Despite possessing a strong frontline in the form of Gurjinder Singh and Shamsher Singh, PNB looked a pale shadow of a team which shone bright in the group matches.

Vinaya, who toiled hard in the wings and provided clean passes, assisted in Bengaluru's first goal early on in the first half, Sandeep Singh finding the middle of the roof with a backhander.

A gem

The second goal was a gem. Rajkumar Pal ran with the ball from the centre, hoodwinking three defenders and providing a precise pass to Umesha who had to just tap it home.

Trailing by two goals, PNB attacked with gusto. After Gagandeep Singh reduced the margin off a penalty corner, it looked like a team that had found its rhythm. However, Bengaluru put the contest to bed when Jenjen Singh, who has had an outstanding tournament, pushed one home.

The results (semifinals): ONGC 5 (Mandeep Antil 7, Tyron Perreira 35, Diwakar Ram 42 & 64, Bikash Toppo 61) bt Indian Railways 3 (Karan Pal Singh 8, Raju Paul 19, Sheshe Gowda 26).

Bengaluru HA 3 (Sandeep Singh 10, K.R. Umesha 30, Jenjen Singh 61) bt PNB 1 (Gagandeep Singh 42).

TIMES OF INDIA, Chennai, 6.8.2017
Page No. 20, Size:(16.95)cms X (13.10)cms.

ONGC throw Railways off track

Oilmen To Meet Bengaluru In Final

Vivek.Krishnan
@timesgroup.com

Chennai: At 2-3 down against defending champions Indian Railways at the end of the first half, ONGC seemed down for the count in their semifinal clash of the 91st MCC-Murugappa Gold Cup hockey tournament. A stunning fightback, however, ensued as the Sandeep Sangwan-coached side scored three goals in the second half to pull off a 5-3 win and book their place in the final on Sunday. Two of those three second-half goals came from Diwakar Ram, who successfully converted a penalty corner and penalty stroke in the 42nd and 64th minute respectively.

MCC MURUGAPPA GOLD CUP

C Suresh Kumar

FIGHTING UNIT: ONGC players celebrate a goal on Saturday

ONGC will now lock horns with Bengaluru Hockey Association for the title after the latter overcame a listless Punjab National Bank 3-1 in the second semifinal.

Right from the outset, Bengaluru were in control of proceedings and went 2-0 up within the first half an hour – Sandeep K Singh and Umesha KR got their names onto the score sheet. Gagandeep Singh did wrestle one back for PNB, but it was nothing more than a minor hiccup as Jenjen Singh added a third for Bengaluru in the second half to wrap up victory.

"We just had seven days before the tournament to come together. It's a fantastic effort by the boys. Especially after losing to Tamil Nadu on Thursday, the way we have bounced back shows their character," Bengaluru coach Ashish Ballal said.

In the first semifinal, which saw a delayed start due to rain, ONGC were marginally better to start off with and took the lead in the 7th minute courtesy Mandeep Antil, who found the net from a clever pass at a penalty corner.

But it didn't take long for Railways to stamp their imprint on the game. In the 8th minute, they struck back through Karan Pal Singh from a penalty corner of their own. They added a couple more goals to their first-half tally shortly after. The second goal came from Raju Pal in the 19th minute while the third was the result of an outstanding collective effort. Ajit Kumar Pandey provided the pass that allowed Baljinder Singh to break free and he was brought down by ONGC custodian Dinesh Ekka. From the resultant penalty stroke, Sheshe Gowda safely slotted home to help Railways go 3-1 ahead. While it seemed that Railways would run away with the tie, ONGC's Tyron Pereira helped ensure that they stayed in the hunt right on the stroke of half time.